

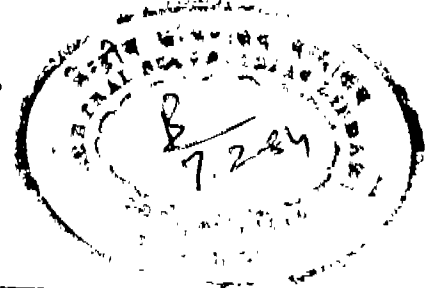


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 7]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 13, 1983/अग्रहायण 22, 1905

No. 7] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 13, 1983/AGRAHAYANA 22, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269
घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज,

जयपुर, 3 दिसम्बर, 1983

प्रादेश संख्या : राज० सहा० प्रा० अर्जन/2264 :—यस : मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु से अधिक है और जिसकी सं० चन्द्रगुप्त होटल है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कसकता में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख मार्च, 1983 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुवर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जेबी हनवेस्टमेंट ट्रस्ट अस्टेट आफ 10 रास विहारी बोस रोड, कलकत्ता, (प० बंगाल) (अन्तरक)
- (2) श्री मनीषकुमार नाबालिग जरिए उसके पिता एवं स्वा० संरक्षक, श्री विजय कुमार चौधरी द्वारा चौधरी काटन फैक्टरी हुनमागढ़ (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यक साधनों करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एवं सूचना की दायीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति से हितवन्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

टिप्पणी—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवश्यक अभिव्यक्ति, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 290 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"चन्द्रगुप्त होटल" मिर्चा कैम्प के पास, स्टेशन रोड, जयपुर पर स्थित 2703 वर्गमीटर भूमि एवं गार्मिशन्ट आउटरिमाजिन 1/4 भाग जो रजिस्ट्रार ऑफ अमुनेस्ट्रान्, कलकत्ता द्वारा क्रम संख्या आई/2095/1983 मार्च भाग, 1983 पर दर्जबद्ध विषय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरित है।

तारीख : विनम्बर, 1983

मोहर

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Office of the I.A.C. Acquisition Range

Jaipur, the 3rd December, 1983

Ref. No. : Rej|IAC|(Acq.)2264.—Whereas, I Mohan Singh, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Chandragupt Hotel situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri J. B. Investment Trust, a state of 10 Rash Behari Bose, Road, Calcutta (West Bengal) (Transferor)
- Shri Munish Kumar minor through his (Father) Shri Vijay Kumar Chaudhary through Choudhary Cotton Factory, Hanumangarh. (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

- 1/4 Portion Chandragupt Hotel situated near Sindhiacamp, Station Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Calcutta, vide registration No. 2095/March 1983.

Date : 3-12-83

Seal.....

आयकर अधिनियम 1951 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अर्थात् सूचना

आवेग संख्या : राज०/हस्ता० आ० अर्जन/2265 :- द. न. गुप्त मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पर विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० चन्द्र-गुप्त होटल है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायध अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के दावेदार में कटन करने या उगी बनने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे कि.न. आया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) मैजर् जे० बी० इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, अस्टेट आफ 10 रास बिहारी बांस रोड, कलकत्ता (प० बंगाल) (अन्तरक)
- (2) मोना देवी (नाबालिग) जरिए उसके पिता एवं स्वा० संरक्षक श्री विजयकुमार चौधरी द्वारा चौधरी काटन फैक्टरी, हनुमानगढ़ जंक्शन (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही करता हूँ उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 10 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितार्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में दिये जा सकेंगे ।

संश्लेषण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"चन्द्रगुप्त होटल" सिंधी कैम्प, स्टेशन रोड, जयपुर पर स्थित 2703 वर्गमीटर भूमि पर तामीरात का अधिमाजित 1/4 भाग जो सब

रजिस्ट्रार आफ असुरेन्स, कलकत्ता द्वारा क्रमांक आई/2099/1983 पर माह मार्च, 1983 में पंजिबद विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से निरूपित है ।

तारीख दिनांक 1983

मोहर.....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) of THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Rej. IAC (Acq.)/2265.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Sec. 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Chandragupt Hotel situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate processings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) M/s. J.B. Investment trust, a state of 10 Rash Behari Bose Road, Calcutta (West Bengal) (Transferor)
- (2) Kumari Mona Devi (minor) through her (Father) Shri Vijay Kumar Chaudhary through Choudhary Cotton Factory, Hanumangarh Junction. (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said

property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter. XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

1 Portion Chandragupt Hotel situated near Sindhicamp, Station Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Calcutta vide registration No. 2099/March 1983.

Date : 3-12-83

Seal.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

आवेग संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2266 :—यतः मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 279 ख के अधीन सख्त प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० I चन्द्रगुप्त होटल है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसके उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अफिफर के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स जे० बी० इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, अस्टेट आफ 10 रात विहारों बॉस रोड, कलकत्ता (अन्तरक)।
- (2) कुमारी शीतल नाबालिग जूरी उनके पिता एवं स्थानाधिक संश्लेषक श्री पृथ्वीराज चौरा, द्वारा चौरा काटन फेस्ट्रॉ, हनुमानगढ़ (अन्तरित)।

को यह सूचना जारी करके पूर्णक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिनी करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 रु में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"चन्द्रगुप्त होटल" सिधी कैम्प के पास, स्टेशन रोड, जयपुर पर स्थित 2703 वर्गगज भूमि एवं उसपर निर्माण का चौथाई भाग जो रजिस्ट्रार आफ असुरेसज, कलकत्ता द्वारा क्रमांक आई/2100/1983 माह मार्च, 83 पर पंजिबद्ध विषय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख, 3 दिसम्बर, 1983

मोहर.....

NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Ref. No. : Rej|IAC (Acq.)|2266.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Sec. 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Chandragupt Hotel situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax

under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. J. B. Investment trust, a state of 10 Rash Behari Bose Road, Calcutta (West Bengal).
- (2) Kumari Shital (Minor) through her (Father) and natural Guardian Shri Prathviraj Chaudhary through Chaudhary Cotton Factory, Manumangarh Junction.

(Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

- 1/4 Portion of Chandragupt Hotel situated near Sindhi Camp, Station Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Calcutta vide registration No. 2100/March 1983.

Date : 3-12-83

Seal

आयकर अधिनियम (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधिसूचना

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2263 .—यनः मुसे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० चन्द्रगुप्त होटल है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मंसै जे० बी० इनवैस्टमेंट ट्रस्ट, एस्टेट आफ 10, राश बिहारी ओस रोड, कलकत्ता (प० बंगाल) (अन्तरक)
- (2) श्री सचिन कुमार (नाबालिग) जिए उसके पिता एवं स्वाभाविक संरक्षक श्री पृथ्वीराज चौधरी द्वारा चौधरी काटन फॅक्ट्री, हनुमानगढ़ अंशगन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रसूक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“चन्द्रगुप्त होटल” सिंधी कैम्प के पास, स्टेशन रोड, जयपुर पर स्थित 703 वर्गगज भूमि भय ताम्बोरात का अविभाजित 1/4 भाग जो रजिस्ट्रार

आफ असुरेस्तेज, कलकत्ता द्वारा क्रमांक 2093/ माह मार्च, 1983 पर पंजिबद्ध विशय-पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 3 दिसम्बर, 1983

मोहर

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Ref. No. Raj/IAC, (Acq.)/B263.—Whereas, I, Mohan Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1981) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Chandrapur Hotel situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. J. B. Investment trust, a state of 10 Rush Behari Bose Road, Calcutta (West Bengal). (Transferor)
- (2) Shri Sacheen Kumar minor through his (Father) Shri Prathviraj Choudhary through Chaudhary Cotton Factory, Hanumangarh Junction. (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said

property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

- 1/4 Portion Chandragupt Hotel situated near Sindicamp, Station Road, Jaipur, and more fully described in the said deed registered by the S.R. Calcutta vide registration No. 2093/March 1983.

Date : 3-12-83.

Seal:

आयकर अधिनियम (1961 का 43) की धारा 269D (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 15 नवम्बर, 1983

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/2,98 :—यन: मुझे, गहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269D के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० काटनमिय है तथा जो भीलवाड़ा में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुवृत्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय क्षेत्रों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1983 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि युवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित-

द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या ऐसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूचना में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री महादेव काटन मिल्स लिमिटेड, हमीरगढ़ रोड, भीलवाड़ा (राजस्थान) (अन्तर्गत)
- (2) श्री वी प्रताप कमर्शियल कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, पुननिवास, भीलवाड़ा (अन्तर्गति)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शायद—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्वाधारी के द्वारा निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिस्वाधारी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री महादेव काटन मिल्स लि० का भीलवाड़ा में स्थित भवन, गोदाम, अमीन, कार्यालय भवन, प्लॉट एण्ड मशीनरी जो पंजीयक, देहली द्वारा क्रम संख्या 549 दि० 31-3-83 पर पंजीयक विषय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

तारीख 15 नवम्बर, 1983

मोहर

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)
Jaipur, the 18th November, 1983

Ref. No. : Rej.IAC (Acq.)2198.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No Cotton Mill situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Delhi on 31-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act of the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M/s. Mahadev Cotton Mills, Limited Hamirgarh Road, Bhilwara (Rajasthan).
 - (2) M/s. The Pratap Commercial Company Pvt. Ltd. Pune Niwas, Bhilwara.
- (Transferee)

objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

the S. B. Delhi vide registration No. 549 dated 31-3-83.

Date : 15th November, 1983.

Seal :

SCHEDULE

Shri Mahadeo Cotton Mills, Ltd., Land Building, Plant and Machinery situated in Bhilwara, and more fully described in the sale deed Registered by

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur